पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने महाराष्ट्र के मजदूर नेता शरद राव के निधन पर दुःख व्यक्त किया

लखनऊः 1 सितम्बर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने महाराष्ट्र के मजदूरों एवं बस, रिक्शा और टैक्सी चालकों के जझारू नेता शरद राव के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

राज्यपाल ने अपने शोक संदेश में कहा है कि ''मजदूरों एवं बस, रिक्शा और टैक्सी चालकों के जझारू नेता शरद राव हमारे बीच नहीं रहे। एक आवाज में सारी मुंबई को ठप करने की ताकत रखने वाले शरद राव सदैव जुझारु कार्यकर्ता की भूमिका में रहे।'' उन्होंने अपने मित्र स्वर्गीय शरद राव को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि ''मैं, स्व0 मृणाल गोरे और स्व0 शरद राव मुंबई के गोरेगाव उपनगर के निवासी थे। आपातकाल के बाद जनता पार्टी के शासन में हमने एकजुट होकर कार्य किया तो एक दूसरे के विरुद्ध लोकसभा का चुनाव भी लड़ा। वैचारिक मतभेद होते हुए भी मित्रता के संबंध बनाए रखना शरद राव के स्वाभाव की एक विशेषता थी। केवल विरोध करना ही उनका ध्येय नहीं था बल्कि वे संवाद के लिए भी सदैव तत्पर रहते थे। इसका अनुभव मुझे पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए कई बार हुआ।''

श्री नाईक ने दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए दुःखी परिजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रेषित की है।

अंजुम/ललित/राजभवन (310/2)